iase university

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSE OF STUDY

FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCES

2007-2008

BACHELOR OF ARTS (SANSKRIT)

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना –

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उतीर्णांक – 72	पूर्णांक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय – 3 घण्टे	अंक – 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय – 3 घण्टे	अंक – 100

सामान्य निर्देश –

1. परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
2. प्रश्न–पत्र केवल संस्कृत में बनाया जाएगा।
3. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित है। अन्य प्रश्नों के उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिए जा सकते है।
4. संस्कृत एवं हिन्दी के लिए देवनागरी लिपि ही मान्य होगी।

प्रथम प्रश्न पत्र
नाटक, स्मृति, कथा साहित्य एवं अलंकार

समय : 3 घण्टें उतीर्णांक : 36 पूर्णांक – 100

अंक योजना –

1. नाटक (अ) अनुवाद एवं व्याख्या		– 35 अंक
(ब) सामान्य प्रश्न		– 10 अंक
2. स्मृति (अ) व्याख्या		– 10 अंक
(ब) लघुत्तरात्मक प्रश्न		– 10 अंक
3. कथा साहित्य (अ) गद्य एवं पद्य अनुवाद		– 10 अंक
(ब) सामान्य प्रश्न		– 10 अंक
4. अंलकार–लक्षण एवं उदाहरण		– 15 अंक
	कुल	– 100 अंक

पाठ्यक्रम

1. नाटक – स्वप्नवासवदतम् (भासकृत)
2. स्मृति – मनुस्मृति प्रथम अध्याय
3. कथा साहित्य – हितोपदेश (मित्रलाभ)
4. अलंकार – काव्यदीपिका अष्टमशिखा (कान्तिचन्द्रभट्टाचार्य) इस पुस्तक के निम्नलिखित अलंकार निर्धारित किए गए है–

   अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, उपमा, मालेपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, व्यतिरेक, प्रतिवस्तुपमा, निदर्शना, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुत्ययोगिता, दीपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपहुति एवं समासोक्ति।

विस्तृत अंक विभाजन (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जाएगा)

1. नाटक – स्वप्नवासवदतम्

प्रथम प्रश्न

अ. दो श्लोकों का अनुवाद — 15 अंक

द्वितीय प्रश्न

ब. दो श्लोकों की व्याख्या (एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या) — 20 अंक

स. स्वप्नवासवदतम से सामान्य प्रश्न — 10 अंक

2. स्मृति – मनुस्मृति

अ. दो श्लोकों की व्याख्या — 10 अंक

ब. पांच लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर — 10 अंक

3. हितोपदेश

अ. एक गद्यखण्ड अथवा दो श्लोकों का अनुवाद — 10 अंक

ब. सामान्य प्रश्न — 10 अंक

4. तीन अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण — 15 अंक

पाठ्यपुस्तकें –

1. स्वप्नवासवदत्तम् – भास
2. मनुस्मृति प्रथम अध्याय
3. हितोपदेश (मित्रलाभ)
4. काव्यदीपिका अष्टमशिखा (श्रीकान्तचन्द्र भट्टाचार्य)

सहायक पुस्तकें –

1. महाकवि भास – डॉ. नेमीचन्द
2. मनुस्मृति – डॉ. सुरेन्द्रकुमार
3. संस्कृत सु–कवि समीक्षा – बलदेव उपाध्याय
4. धर्मशास्त्र का इतिहास – डॉ. पी.वी. काणे
5. संस्कृत काव्यशास्त्र – डॉ. पी.वी. काणे
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पं. बलदेव उपाध्याय
7. स्वप्नवासवदतम (भास) – आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी'
8. स्वप्नवासवदतम (भास) – तारिणीश झा
9. स्वप्नवासवदतम (भास) – जयपाल विद्यालंकार
10. मनुस्मृति (मनु) – श्री हरगोविन्द शास्त्री
11. मनुस्मृति (मनु) – श्री रामेश्वर भट्ट
12. मनुस्मृति (मनु) – डॉ. गजानन्द शास्त्री
13. हितोपदेश – रामचन्द झा
14. हितोपदेश – श्री शेषराज शर्मा 'रेग्मी'

द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय : 3 घण्टें | उतीर्णांक : 36 | पूर्णांक – 100

अंक योजना –

1.	भारतीय संस्कृति के तत्व	– 25 अंक
2.	पद्य साहित्य	– 25 अंक
3.	अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)	– 10 अंक
4.	व्याकरण –	
	अ. संज्ञान प्रकरण अच्, हल् एवं विसर्गसन्धि	– 24 अंक
	ब. अजन्त प्रकरण	– 16 अंक
	कुल	– 100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. भारतीय संस्कृति के तत्व वैदिक काल (वेद से सातवीं शताब्दी तक)
   - क. भारतीय संस्कृति : पृष्ठभूमि एवं विशेषताएं
   - ख. धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति।
   - ग. वर्ण, आश्रम एवं संस्कार। (विवाहों के प्रकार सहित)
   - घ. त्रिविधऋण एवं पंच महायज्ञ।
   - ड. शिक्षा
   - च. लिपि (उत्पति, साधन एवं विकास)
   - छ. भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
2. पद्य साहित्य – रघुवंश (कालिदास) द्वितीय सर्ग
3. अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. व्याकरण –
   - अ. लघुसिद्धान्त कौमुदी (संज्ञाप्रकरण, अच्, हल् एवं विसर्ग सन्धि प्रकरण)
   - आ. लघुसिद्धान्त कॉमुदी (अजन्त प्रकरण)

   राम सर्व (तीनों लिंगों में) हरि, सखि, त्रि (तीनों लिंगों में) द्वि (तीनों लिंगों में), रमा, मति, नदी, ज्ञान और वारि इन शब्दों की रूपसिद्धि एवं सिद्धि में प्रयुक्त सूत्रों का सोदाहरण अर्थ।

विस्तृत अंक विभाजन (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जायेगा)

1. भारतीय संस्कृति के तत्व
   - अ. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर – 13 अंक
   - ब. चार टिप्पणीयों में से दो का उत्तर 6+6 = 12 अंक
2. पद्य साहित्य

अ. रघुवंश द्वितीय सर्ग से दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद 6+6 = 12 अंक

ब. रघुवंश द्वितीय सर्ग से एक श्लोक का सप्रसंग व्याख्या – 6 अंक

स. रघुवंश से सामान्य एक प्रश्न – 7 अंक

3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद) – 10 अंक

4. व्याकरण–

अ. लघुसिद्धान्त कौमुदी

क. संज्ञाप्रकरण से दो सूत्रों में से एक की व्याख्या – 3 अंक

ख. संज्ञाप्रकरण वर्णों के उच्चारण स्थान, प्रयत्न एवं प्रत्याहार विषयक एक प्रश्न – 3 अंक

ग. अच् सन्धि (दो उदाहरणों की सिद्धि) – 6 अंक

घ. हल् सन्धि (दो उदाहरणों की सिद्धि) – 6 अंक

ड. विसर्ग सन्धि (दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या) – 6 अंक

आ. लघुसिद्धान्त कौमुदी (अजन्त प्रकरण)

क. निर्धारित शब्दरूपों में प्रयुक्त सूत्रों में से किन्ही तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या – 6 अंक

ख. निर्धारित शब्दों में से पांच पदों की रूपसिद्धि – 10 अंक

सहायक पुस्तकें –

1. भारतीय संस्कृति – डॉ. जयकिशन खण्डेलवाल
2. भारतीय संस्कृति – डॉ. शिवदत ज्ञानी
3. भारतीय संस्कृति – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
4. भारत की प्राचीन संस्कृति – डॉ. रामजी उपाध्याय
5. भारत का सांस्कृतिक इतिहास – डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय
6. भारतीय संस्कृति – दामोदर सातवलेकर
7. भारतीय संस्कृति – बाबू गुलाबराय
8. भारतीय संस्कृति – देवराज
9. भारतीय संस्कृति – कुंवरलाल व्यास शिष्य
10. भारतीय संस्कृति और कला – वाचस्पति गैरोला
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
12. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री
13. कालिदास – डॉ. मिराशी
14. कालिदास – चन्द्रबली पाण्डेय
15. संस्कृतस्य व्यावहारिक स्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, श्री अरविन्दों आश्रम पाण्डीचेरी
16. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना

तृतीय प्रश्न पत्र

नाटक संस्कृत साहित्य का इतिहास, छन्द एवं व्याकरण

समय : 3 घण्टें | उतीर्णांक : 36 | पूर्णांक – 100

अंक योजना –

1. नाटक – 45 अंक
2. छन्द – 15 अंक
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – 30 अंक
4. नाटक में प्रयुक्त कृत्य एवं कृत् प्रत्यय – 10 अंक

कुल – 100 अंक

पाठ्यक्रम

5. नाटक – अभिज्ञान शाकुन्तलम – कालिदास
6. छन्द – शाकुन्तलम में प्रयुक्त सभी छन्द
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास

   क. वीर काव्य ख. काव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित)

   ग. गीतिकाव्य घ. गद्यकाव्य

   ड. नाटक साहित्य च. कथा साहित्य
8. कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण में निम्नांकित प्रत्यय – तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्
   तृच्, ण्वुल, क्त, क्तवतु, कत्वा, शतृ, शानच्, ल्यप्
   (इन प्रत्ययों के विधायक सूत्रों का अर्थ ज्ञान अपेक्षित है।)

अंक योजना (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जाएगा)

5. नाटक – अभिज्ञान शाकुन्तलम 45 अंक

   प्रथम प्रश्न

   अ. अभिज्ञान शाकुन्तलम के एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या 10 अंक

   ब. अभिज्ञान शाकुन्तलम की नाट्यशास्त्रीय व्याख्या 10 अंक

   (बिन्दु) वस्तु, नेता एवं रस (श्रृंगार, करूण एवं वीर रस)

   स. निम्नांकित बिन्दुओं में से दो पर टिप्पणीयाँ 15 अंक

   1. नाट्य लक्षण 2. शाकुन्तल में आकर योजना 3. प्रकृति चित्रण 4. शाकुन्तल में चित्रित सामाजिक स्थिति 5. कालिदास की नाट्शैली

   द. शाकुन्तल में प्रयुक्त सामाजिक पदों की व्युत्पिति 10 अंक
6. छन्द – तीन छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण 15 अंक
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास

   अ. दो प्रश्नों में से एक का उत्तर 15 अंक

   ब. चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर 7½+7½ = 15 अंक

8. कृत्य एवं कृत प्रत्यय

अ. निर्धारित प्रत्ययों के विधायक सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 4 अंक

ब. अभिज्ञान शाकुन्तल में प्रयुक्त पदों में से तीन पदों का प्रकृति एवं प्रत्यय विषयक प्रश्न 6 अंक

सहायक पुस्तकें –

15. अभिज्ञान शाकुन्तलम – सं. निरूपरण विद्यालंकार, बाबूराम पाण्डे, साहित्य भण्डार, मेरठ
16. अभिज्ञान शाकुन्तलम व्याख्या – राधाबल्लभ त्रिपाठी, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
17. अभिज्ञान शाकुन्तलम – रमा संस्कृत टीका व अनु. डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
18. अभिज्ञान शाकुन्तलम व्याख्या – सुबोध चन्द्र पन्त
19. अभिज्ञान शाकुन्तलम – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
20. अभिज्ञान शाकुन्तलम – डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवं रूप नारायण त्रिपाठी
21. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – पाण्डेय एवं व्यास
22. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पं. बलदेव त्रिपाठी
23. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
24. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
25. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
26. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
27. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

चतुर्थ प्रश्नपत्र

वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय : 3 घण्टें उतीर्णांक : 36 पूर्णांक – 100

अंक योजना –

1.	वैदिक साहित्य	30 अंक
2.	गद्य साहित्य	30 अंक
3.	अनुवाद	10 अंक
4.	व्याकरण	30 अंक
	कुल	– 100 अंक

पाठ्यक्रम –

5. वैदिक साहित्य – (अ) ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त

क. अग्नि (1:1), ख. वरूण (1:25) ग. विष्णु (1:154) घ. इन्द्र (2:12)

च. विश्वेदेवा (8:58) छ. प्रजापति (10:121) ज. संज्ञान (10:191)

(ब) ईशावास्योपनिषद – यजुर्वेद का 40वां अध्याय

6. गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश

7. अनुवाद – अपठित संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

8. व्याकरण –

अ. लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)

1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. विद्वस् 4. चतुर् (तीनों लिंगों में)
5. इदम् (तीनों लिंगों में) 6. राजन् 7. मघवन्
8. पंचन 9. अष्टन् 10. युष्मद् 11. अस्मद्
12. उपानह् (इन शब्दों की रूपसिद्धि)

ब. व्याकरण कारक प्रकरण के निम्नलिखित सूत्र पठनीय है

1. प्रतिपदिकार्थ–लिंङ्गपरिमाणवचन मात्रे प्रथमा
2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
3. कर्मणि द्वितीया
4. अकथितं च
5. अधि–शीङ्. स्थाऽऽसां कर्म
6. उपान्वध्याङ्.वसः
7. अभितः परितः समया–निकषा–हा–प्रतियोगेऽपि
8. अन्तराऽन्तरेण युक्ते
9. कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे
10. साधकतमं करणम्
11. कर्तुकरणयोस्त तीया
12. अपवर्गे तृतीया
13. सहयुक्तेऽप्रधाने
14. येनाङ्गविकारः
15. उत्थंभूतलक्षणे
16. चतुर्थी सम्प्रदाने
17. चतुर्थी सम्प्रदाने
18. रूव्यर्थानां प्रीयमाणः
19. धरिरूत्तमर्णः
20. क्रुध–द्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः
21. नमः स्वस्ति–स्वाहास्वधाऽलं–वषड.–योगाच्च
22. ध्रुवमपायेऽपादानम्
23. अपादाने पंचमी
24. जुगुप्सा–विराम–प्रमादार्थानामुपसंख्यानम्
25. भीत्रार्थाना भयहेतुः
26. वारणार्थानामीप्सितः
27. आख्यातोपयोगे
28. भुवःप्रभवः
29. पृथग्विना–नानाभि–स्तृतीयाऽन्यतरस्याम्
30. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च
31. षष्ठी शेषे
32. षष्ठी हेतु–प्रयोगे
33. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्र–भद्रकुशल सुखार्थहितैः
34. आधारोऽधिकरणम्
35. सप्तम्यधिकरणे च
36. यस्य च भावेन भावलक्षणम्
37. यतश्चनिर्धारणम्
38. पंचमी विभक्तेः
39. साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्प्रयतेः

अंक योजना (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जायेगा)

1. वैदिक साहित्य	(अ)	1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों का अनुवाद	10 अंक
		2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार	10 अंक
	(ब)	ईशावास्योपनिषद–दो मन्त्रों की व्याख्या	10 अंक
2. शुकनासोपदेश	(अ)	दो गद्यांशो का हिन्दी में अनुवाद	20 अंक

(ब) शुकनासोपदेश के निर्धारित अंक से सामान्य प्रश्न 10 अंक

3. अनुवाद – अपठित संस्कृत के दस वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद 10 अंक

4. व्याकरण – (अ) हलन्त प्रकरण

(1) निर्धारित शब्दों की सिद्धि में प्रयुक्त दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 5 अंक

(2) पांच पदों की रूप–सिद्धि 10 अंक

(ब) कारक

(1) चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 9 अंक

(2) वाक्यों में रेखांकित चार पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन 6 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
2. ईशावास्योपनिषद् – गीताप्रेस गोरखपुर
3. ईशावास्योपनिषद् – तरिणीश झा
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री
6. सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरणम् – श्री चण्डीप्रसादाचार्य
7. सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरणम् – श्री अर्कनाथ चौधरी
8. व्याकरणचन्द्रोदय (कारक समास प्रकरण) चारूदेव शास्त्री
9. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
10. ऋक्सूक्त संग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री

पंचम प्रश्न पत्र

भारतीय धर्म एवं दर्शन

समय : 3 घण्टें | उतीर्णांक : 36 | पूर्णांक – 100

अंक विभाजन –

1. तर्क संग्रह – अन्नम भट्ट	30 अंक
2. गीता (द्वितीय अध्याय)	20 अंक
3. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त	30 अंक
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)	20 अंक

पाठ्यक्रम एवं विस्तृत अंक विभाजन : (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जाएगा)

1. तर्कसंग्रह में से तीन व्याख्याएँ पृष्टव्य है। 10+10+10 = 30 अंक
   एक व्याख्या संस्कृत में पृष्टव्य है।
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) में से एक प्रश्न (10 अंक) और दो लोकों की व्याख्या (10 अंक) पृष्टव्य है।
3. भारतीय दर्शन के निम्नलिखित बिन्दुओं से सम्बन्धित दो प्रश्न (15+15 अंक) पूछे जायेगें।
   (क) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ (ख) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
   (ग) योग दर्शन की ईश्वरवाद (घ) अद्वैतवाद का मायावाद
   (ड़) न्याय–वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप (च) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद
   (छ) पूर्वमीमांसा में धर्मस्वरूप (ज) चार्वाक का प्रमाणमीमांसा
   (झ) बौद्ध–दर्शन का शून्यवाद (ञ) जैन–दर्शन में अनेकान्तवाद
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) में से एक प्रश्न (10 अंक) तथा दो श्लोकों की व्याख्या (10अंक) पृष्टव्य है।

सहायक पुस्तकें

1. गीता रहस्य – तिलक
2. हिस्ट्री ऑफ इण्डियन फिलोस्पी – सिन्हा
3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा – हिरियन्ना
5. भारतीय दर्शन – दत्ता एवं चटर्जी
6. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र
7. तर्क संग्रह – हिन्दी व्याख्याकार पं. आनन्द झा, उ.प्र.हि.अ., लखनऊ
8. तर्क संग्रह – हिन्दी व्याख्याकार डॉ. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

षष्ठम प्रश्नपत्र

काव्य, व्याकरण एवं निबन्ध

समय : 3 घण्टें | उतीर्णांक : 36 | पूर्णांक – 100

अंक विभाजन

1.	प्राचीन काव्य	20 अंक
2.	महाकाव्य	30 अंक
3.	नीति काव्य	20 अंक
4.	निबन्ध रचना	10 अंक
5.	व्याकरण – तिङन्तप्रकरण	20 अंक

पाठ्यक्रम

1. महाभारत उद्योगपर्व – विदुरनीति (33 एवं 34) अध्याय द्वाःस्थःप्राह महाप्राज्ञों से लेकर क्लेशांस्तितिक्षति पर्यन्त गीताप्रेस प्रकाशन के अनुसार 20 अंक

2. महाकाव्य – किरातार्जुनीयम (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग) भारवि 30 अंक

3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि) (निर्णयसागर) 20 अंक

4. संस्कृत निबन्ध रचना 10 अंक

5. व्याकरण–तिङन्त (लघुसिद्धान्तकौमुदी) – भू, एध, अद्, हु, दिव, पुञ्, तुद्, रुध्, तनु, डुक्रीञ् एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ्. और विधिलिंग लकारों के रूप में सिद्धि 20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. महाभारत उद्योगपर्व–विदुरनीति
   - अ. दो श्लोकों की व्याख्या 10 अंक
   - ब. लघुत्तरात्मक चार प्रश्नों के उत्तर 10 अंक
2. महाकाव्य–किरातार्जुनीयम् (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग)
   - अ. प्रथम एवं द्वितीय सर्ग से एक–एक श्लोक का अनुवाद 5+5 = 10 अंक
   - ब. प्रथम एवं द्वितीय सर्ग से एक–एक श्लोक की व्याख्या 6+6 = 12 अंक
   - स. किरातार्जुनीयम से सामान्य प्रश्न 8 अंक
3. नीति काव्य – नीतिशतकम् (भर्तृहरि)
   - अ. नीतिशतकम के दो श्लोको की व्याख्या 6+6 = 12 अंक
   - ब. नीतिशतकम से सामान्य प्रश्न 8 अंक
4. संस्कृत निबन्ध रचना (समकालिक विषयों पर भी निबन्ध पूछे जावें) 10 अंक
5. व्याकरण–तिङत्रन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
   - अ. निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों में चार शब्दों की रूपसिद्ध 12 अंक
   - ब. सिद्धियों में प्रयुक्त सूत्रों में से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 8 अंक

सहायक पुस्तकें

1. महाभारत – सातवलेकर
2. नीतिशतकम् व्याख्या – कृष्णशास्त्री
3. नीतिशतकम् व्याख्या – श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी (तिड.न्त प्रकरण) – राजदेव मिश्र
6. प्रबन्ध प्रकाश – म.म. मंगलदेव शास्त्री
7. प्रौढ़ निबन्ध सौरभम् – पं. श्री विश्वनाथमिश्र
8. संस्कृतकविदर्शन – डॉ. भोलाशंकर व्यास